

उन्नत पनिका Mk-I रॉकेट ससि्टम

उन्नत पनिका Mk-I रॉकेट ससि्टम (EPRS) का राजस्थान के पोखरण रेंज में सफल परीक्षण कया गया ।

- परीक्षणों के उसी सेट के हसिसे के रूप में एरया डेनयिल मुनशिन (ADM) का भी सफलतापूरवक परीक्षण कया गया था ।
- परीक्षणों ने वभिन्न प्रकार के युद्धपोतों और फ्यूज़ के प्रदर्शन को भी मान्य कया जनिका उपयोग पनिका रॉकेट ससि्टम में कया जा सकता है ।
- ADM गोला-बारूद की एक श्रेणी है जसिका उपयोग वरिधी को कसी वशिष क्षेत्र पर कब्ज़ा करने या वहाँ से गुज़रने से रोकने के लयि कया जाता है ।



EPRS क्या है?

- EPRS पनिका संस्करण का उन्नत संस्करण है जो पछिले एक दशक से भारतीय सेना की सेवा में है ।
 - डज़ाइन और वकिस, पुणे स्थति [DRDO](#) (रक्षा अनुसंधान और वकिस संगठन) प्रयोगशालाओं- आयुध अनुसंधान एवं वकिस प्रतषिठान (ARDE) तथा उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (HEMRL) द्वारा कया गया है ।
- उन्नयन में उन्नत प्रौद्योगकियीं शामिल हैं जो युद्ध के मैदान की उभरती आवश्यकताओं को पूरा करने के लयि सीमा को बढ़ाती हैं ।
- जबक मार्क-1 की रेंज 38 कमी. है, पछिले पखवाड़े में परीक्षण कयि गए मार्क-1 के उन्नत संस्करण में कुछ प्रमुख अतरिकित सुवधाओं के साथ 45 कमी की रेंज है ।
- पनिका का नया अवतार एक स्वदेशी भारतीय हथियार प्रणाली के साथ वकिसति होने वाली वकिस प्रक्रया के कुछ उदाहरणों में से एक का प्रतनिधित्व करता है ।

पनिका मसिाइल:

- परचिय:
 - पनिका रॉकेट ससि्टम एक मल्टी बैरल रॉकेट ससि्टम है, जसिका नाम भगवान शवि के धनुष के नाम पर रखा गया है ।
 - इसे पुणे स्थति [आयुध अनुसंधान और वकिस प्रतषिठान \(ARDE\)](#) तथा [उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला \(HEMRL\)](#) द्वारा वकिसति कया गया है ।
 - पनिका मल्टी-बैरल रॉकेट ससि्टम का वकिस 'रक्षा अनुसंधान एवं वकिस संगठन' (DRDO) द्वारा 1980 के दशक के अंत में शुरू कया गया था । इसे रूस के 'मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर' ससि्टम (जसि 'ग्रैड' भी कहा जाता है) के वकिलप के रूप में वकिसति कया गया था ।
 - वर्ष 1990 के अंत में पनिका मार्क-1 के सफल परीक्षणों के बाद [वर्ष 1999 के कारगलि युद्ध](#) के दौरान पहली बार युद्ध के मैदान में

इसका सफलतापूर्वक उपयोग किया गया था। इसके बाद 2000 के दशक में ससिस्टम के कई रेजर्म्स आए।

■ **वर्षिताएँ:**

- लंबी दूरी की तोपखाने की लड़ाई की एक प्रमुख रणनीतिक रूप में लॉन्च वाहनों को यह सुनिश्चित करने के लिये विशेष रूप से इसके बैक ब्लास्ट का कारण पता लगाने योग्य 'शूट एंड स्कूट (Shoot and Scoot)' करना पड़ता है, ताकि वे स्वयं लक्ष्य न बनें।
- यह 44 सेकेंड की अवधि में 12 रॉकेट दाग सकता है।
- पनािका प्रणाली की एक बैटरी में छह लॉन्च वाहन होते हैं, जसिमें लोडर ससिस्टम, रडार और नेटवर्क-आधारित ससिस्टम के साथ लकि एवं एक कमांड पोस्ट होता है। एक बैटरी 1 कमी. के क्षेत्र को बेअसर कर सकती है।

■ **संस्करण:**

- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने पनािका के Mk-II और गाइडेड वेरिएंट का भी विकास एवं सफलतापूर्वक परीक्षण किया है, जसिकी रेंज लगभग 60 किलोमीटर है, जबकि गाइडेड पनािका ससिस्टम की रेंज 75 किलोमीटर है और इसमें एकीकृत नेवगिशन, नयितरण तथा मार्गदर्शन प्रणाली भी मौजूद है।
- गाइडेड पनािका मसिाइल की नेवगिशन प्रणाली को '[भारतीय कषेत्रीय नेवगिशन सैटेलाइट ससिस्टम](#)' (IRNSS) द्वारा भी सहायता प्राप्त होती है।

वगित वर्षों के प्रश्न:

प्रश्न. कभी-कभी खबरों में दखिने वाला 'टर्मनिल हाई एल्टीट्यूड एरिया डफिंस' (THAAD) क्या है? (2018)

- (a) एक इजरायली रडार ससिस्टम
- (b) भारत का स्वदेशी मसिाइल रोधी कार्यक्रम
- (c) अमेरिकी मसिाइल रोधी प्रणाली
- (d) जापान एवं दक्षिण कोरिया के बीच एक रक्षा सहयोग

उत्तर: (c)

- [टर्मनिल हाई एल्टीट्यूड एरिया डफिंस](#) (THAAD) एक अमेरिकी मसिाइल रोधी प्रणाली है जसि उड़ान के "टर्मनिल" चरण के दौरान छोटी और मध्यम दूरी की बैलसिस्टिक मसिाइलों को रोकने और नष्ट करने के लिये डिज़ाइन किया गया है।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/enhanced-pinaka-mk-i-rocket-system>